साई का दरबार | By Santosh Garg

साईं के दरबार में मुश्किल हो जायेगी हल
आज नहीं तो कल, आज नहीं तो कल

काहे की चिंता काहे की टेंशन
घर बैठे बाबा भेजते हैं पेंशन
ना हो यकीन तो साथ मेरे तू शिरडी धाम को चल
आज नहीं तो कल, आज नहीं तो कल

इतना मिलेगा सम्भाल नहीं पायेगा
दुगुना तिगुना होगा चौगुना होता जाएगा
बात मेरी पे गौर से तुमको करना पड़ेगा अमल
आज नहीं तो कल, आज नहीं तो कल

द्वारका माई में साईं संकट मिटाते हैं
छोड़ के गुरूर दरबार जो जाते हैं
वर्मा के जैसे तुमको भी बाबा मन चाहा देंगे फल
आज नहीं तो कल, आज नहीं तो कल

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-santosh-garg/